

ऑप्शन राइटिंग

स्रोत : बज़िनेस लकि

खुदरा नविशक और संपन्न व्यक्ति तेज़ी से ऑप्शन राइटिंग में नविश कर रहे हैं, परंतु यह एक जोखिम भरा क्षेत्र है जिस पर संस्थागत भागीदारों और वशिषजों का वर्चस्व था।

- ऑप्शन राइटिंग में यह वृद्धि, डेरिवेटिव ट्रेडिंग के रटिल भागीदारों के संबंध में भारतीय प्रतभूति और वनिमिय बोर्ड के लिये चिंताओं का कारण है, भारतीय प्रतभूति और वनिमिय बोर्ड के एक अध्ययन के अनुसार फ्यूचर एवं ऑप्शन (F&O) ट्रेडिंग क्षेत्र में 90% ट्रेडर्स को नुकसान होता है।
- ऑप्शन राइटिंग का अर्थ ऑप्शन अनुबंधों को बेचने की रणनीति से है, जो विक्रेता (ऑप्शन राइटर) को एक नरिदष्टि अवधि (समाप्ति तिथि) के भीतर पूर्व नरिधारति मूल्य (स्ट्राइक प्राइस) पर अंतरनहिति परसिंपत्तको खरीदने या बेचने का दायित्व देता है।
 - यह रणनीति अक्सर उन नविशकों द्वारा अपनाई जाती है जो प्रीमियम एकत्र करके आय सृजति करना चाहते हैं परंतु यदि बाज़ार, विक्रेता के प्रतकूल चलता है तो इससे असीमति हानि की संभावना का संकट उत्पन्न हो सकता है।
- दैनिक तथा साप्ताहिक ऑप्शन समाप्ति के प्रारंभ से ऑप्शन राइटिंग को और बढ़ावा मिला है, जिससे ट्रेडर्स को अल्पकालिक बाज़ार के उतार-चढ़ावों एवं प्रीमियम हानि पर नविश करना सुगम हुआ है।
 - ऑप्शन ट्रेडर्स को थोटा क्षय (वकिल्प के मूल्य में लगातार हो रही गरिवट) से लाभ होता है, जबकि खरीदारों को तेज़ी से प्रीमियम पर हानि के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- डेरिवेटिव एवं अंतरनहिति प्रतभूतियों से प्राप्त वतितीय उपकरणों में फॉरवर्ड्स, फ्यूचर्स और ऑप्शंस सम्मलित हैं।
 - फॉरवर्ड्स और फ्यूचर्स खरीदारों को भविष्य की तारीख पर पूर्व-सहमत मूल्य पर संपत्ति खरीदने के लिये बाध्य करते हैं।
 - ऑप्शंस, खरीदारों को परपिक्वता अवधि पर या उससे पूर्व नरिधारति मूल्य पर अंतरनहिति परसिंपत्तको खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं, परंतु दायित्व का नहीं।

और पढ़ें: [नफिटी नेक्सट 50 सूचकांक](#)